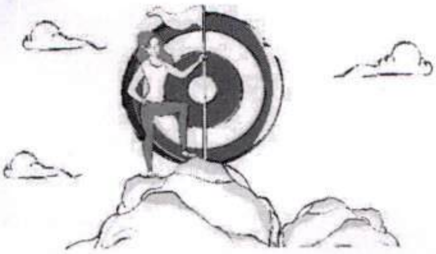

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01317840

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : VISHWAJEET GUPTA

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
ENGLISH

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

तारीख
Date
25 Aug 2024

केंद्र
Centre KAROL BAGH - BHAI JOGA SINGH (DELHI)

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use

परीक्षक के हस्ताक्षर
Signature of Examiner(s)

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	**अंक Marks**		**प्रश्न सं. Q. No.**	**अंक Marks**	
1(a)			**6 (a)**		
1(b)			**6 (b)**		
2(a)			**7**		
2(b)			**8**		
3(a)			**9**		
3(b)			**10**		
3(c)			**11**		
4(a)			**12**		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			**उप-योग (B) Subtotal (B)**		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISIONIAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

अभ्यर्थियों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

" You can not expect a bed of roses by sowing the seeds of Babool. "

- Gandhiji

The eternal conflicting debate of ends vs means showcase the human nature.

Teleological	Deontological
↳ ends determine the result & method employed	↳ means are equally important
↳ Bentham, Mill	↳ Gandhi, Kant, etc.

Ends do not justify the means :

1. ~~Bad~~ Good act done with ~~good~~ bad means will still be a bad act.
   ↳ can not be replicated universally
   ↳ violated 'Categorical imperative'

VisionIAS

2. Ends' justification promotes ethical relativism – ends differ

(Eg) Stealing for food turns into stealing as livelihood.

3. Breeds social disharmony and hampers trust of people

(Eg.) Unethical means employed for business success not get approval.

4. Right Means always ensure just outcome

(Eg) Non-violent freedom struggle gave way to peaceful democracy.

5. Ethical values become the guiding light when employing right means.

6. Final outcome of right means may be different than expected
↳ but socially acceptable
↳ universally replicable
↳ inspires generations.

(Eg) Struggle of Nelson Mandela

Thus, a good intentional act done with right means often achieves the right ends & public praise comes along.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

1. (b) चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Law & Ethics form the evolving playground of interplay ~~between~~ among societal changes.

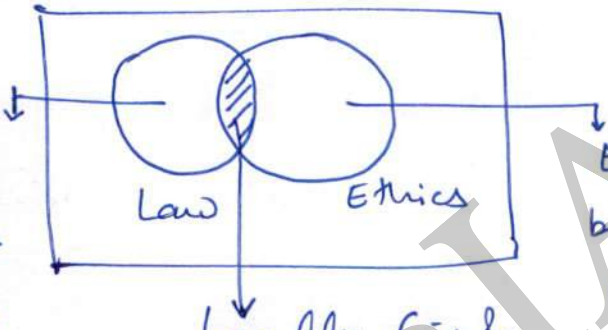

Legally right but not ethically
(Eg) ~~Social~~ Abortion

Legally fair & ethically just
(Eg) Ban on Untouchability

Ethically just but legally not
(Eg) Right to decent death

Dynamic & continuously evolving relationship between law & ethics

(A) Law guiding ethics

1. Stricter laws on consumption of sin goods
↳ degrades & demoralizes their acceptability
(Eg) Cigarettes, Cigars, Alcohol

2. Evolving laws defines social ethics

(Eg) Ban on Triple Talaq

↳ upholds female rights to equality

(B) Ethics nudge the laws

1. Values of equality & human rights.

↳ decriminalisation of homosexuality (Art 377)

(Eg) Navtej Singh Johar judgement

2. Ethical conduct of public service

↳ guided public service as punishment for petty crimes under Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS)

Complex interplay → Ethical guidelines should attempt to expand domain of legal rights

(Eg) Human rights, Refugee rights

↳ legal provisions should conform to social morality

(Eg) Changing marital dimensions & expression of equality.

www.visionias.in A complex interplay guides the society [illegible].

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

2. (a) उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Probity & Integrity are two aspects of public servants. There is a nuanced difference between them.

Integrity	Probity
1. Doing the right thing even when no one is looking	1. Clarity over right thing
2. Action-oriented → visible results (Eg) CAG office	2. Harmony in mind, words & action.
3. Impeccable professional reputation (Eg) APJ Abdul Kalam	3. Internal satisfaction, no external validation needed (Eg) Lal Bahadur Shastri

VisionIAS

These values contribute to ethical governance & decision making :-

1. Bring transparency
2. Objectivity in decision making
3. Ethical decision-making
4. Coordination & collaboration
5. Judicious use of resources
6. ~~limitat~~ limitations & their respect.
7. Respect for other's opinions
8. Consensus based functions
9. Taking everyone along (Inclusive governance)

These values are essential for an efficient civil servant and good governance.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

2. (b) लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Withholding information in public institution/administration sows seed of several evils.

- Ethical implications of withholding information

1. loss of public trust
2. Accountability & Transparency compromised
3. Questionable intentions
4. Breeds corruption and crony nexus
5. Takes governance away from ethical public service delivery.

(Eg) (1) Delayed information release under RTI.
(2) Not updating information on websites
(3) Leakages & pilferages in govt schemes.
(4) Delayed report of Hema Committee (released)

VisionIAS

Sometimes however, withholding information is essential to:

1. Uphold unity & integrity of nation.
2. Sovereignty in decision-making.
3. National security concerns.

(Eg) Sudden Surgical strikes, Development of defence modern equipments.

Activities of Intelligence dept.

Transparency enhances accountability and reduces corruption:

1. System of checks & balance
   (Eg) separation of powers.
2. Public faith and belief in processes emboldened.
3. Causes scrutiny & public display of records.
4. Instills fear in minds of corrupt officials.
5. Public service & Ethical code of conduct upheld.

(Eg) RTI, Ombudsman scheme, Citizens' Charter.

Open & Transparent govt functioning ensures good governance.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"Charity begins at home."

The given statement of M Gandhi emphasizes the importance of virtuous parenting and value inculcation at home.

'Home is the first place of learning & parents are first teacher:

1. Children emulate parental behaviour

(Eg) Newspaper reading, Cleaning the house.

2. Basic values are learned subconsiously.

(Eg) Respect of elders, Touching feet.

3. Common virtues of public engagement

(Eg) Mindful listening, Soft speaking

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. Soft skills are taught at home
(Eg) Numeracy & literacy levels,
Time management,
Sharing is caring.

5. Public responsibility & social duty
(Eg) Keeping surroundings clean.

6. Moral education & Emotional Intelligence
(Eg) Honesty, Transparency, etc.

7. Gender sensitivity
(Eg) Respecting females & other genders.

8. Strong moral fabric & empathy
Eg, courage to confront a wrong-doer.
↳ Standing against bully,
↳ supporting the weak

Thus, a well-schooled child need not be a good individual but a well-mannered child will surely gain accolades in public life.

VisionIAS

3. (b) "हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"Be the change you wish to see in the world."
-M. Gandhi

Leo Tolstoy emphasizes on the importance of doing one's own bit towards community before expecting others to do so.

Changing self changes the world.

1. Bit-by-bit improvement in self makes a better person
   (Eg) Honesty & Non-Violence in mind, words & action

2. Inspires others.
   ↳ presents a live example for others.
   (Eg) APJ Abdul Kalam.

3. Gives one respect & authority to correct others.
   (Eg). Children asking not to litter -

VisionIAS

4. A small change in self brings revolution in society.

(Eg) ~~Amb~~ Gandhiji's realisation towards plight of South Africans

5. Shows courage & strong moral fabric.

↳ takes strength to change one's habits & attitudes.

6. Shows long term changes to community

(Eg) Behavioural change in Swachh Bharat Abhiyan.

7. Instills confidence in society and becomes role model

(Eg) Donation & charity by TATA group.

Changing the world
→ Climate friendly lifestyle
→ Gender sensitivity
→ Tolerance
→ Equality & human rights

Thus, all it takes is one person to change the world. Don't search. Be one!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

3. (c) "जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"To see what is right and not do it is a lack of courage." – Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"The one who sees injustice happening and does not do anything shows highest form of ~~courage~~ Cowardice."
– M. Gandhi

Confusius talks about knowing the right thing & doing it and the journey in between.

- Why doing & knowing are different and takes courage :-

1. Knowing is passive, doing is active intervention.
   (Eg) Not lying ≠ speaking truth.

2. To see & not to act shows lack of moral fabric, personal insecurities
   ↳ requires courage to overcome this gap.

VisionIAS

3. Seeing what is right & doing it takes time, patience, & perseverance

↳ Seeing & praising clean European cities but littering in India

4. Sometimes, results take long time to be visible.

↳ one must persist in their efforts.

(Eg.) Clean Beach Campaign by young volunteers in Mumbai.

5. Courageous decisions ~~tak~~ requires support & admiration at times

↳ to ~~make one act~~ assure one of right direction

↳ timely support and interventions

(Eg) UPSC students' death in Karol Bagh brought students in street.

6. Seeing good makes ~~&~~ doing it the next logical step.

"If we realise the things we do and what we are capable of doing, most of the world's problems will be solved." - Gandhiji

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

4. (a) किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Positive attitude is a necessary ingredient in a person's approach towards success and socially responsible life.

Factors leading to positive attitude

1. External motivation to be positive
   (Eg) Listening to noble leaders.
2. Internal inspiration
3. Behavioural actions
4. Ability to take losses in stride and move ahead.
5. Focus on solution and not on problem.
6. Creative & imaginative mind.
7. Personal integrity
8. Strong moral values
9. Ethical foundations of personality

VisionIAS

Positive attitude enhance effectiveness of civil servants in performing duties:

1. Ability to guide & inspire others.
   (Eg) Parameswaran Iyer.
2. Mould & forge consensus over conflicting issues
   (Eg). Amitabh Kant,
3. Portray image of positivity and assurance
   (Eg.) Vikram Sarabhai.
4. Bring social change.
   (Eg) Saurabh Kumar, IAS - Career Counselling of ~~child~~ teenagers
5. Bring out scientific & rational mindset in administration
6. Promote creativity and show entrepreneurship.
   (Eg.) Aditya Ranjan, IAS (Jharkhand)
7. Showcase consistent support even in case of failures & disappointment

Thus, a positive civil servant brings calmness & assurance in citizens while ensuring social reforms.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

4. (b) चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Emotional Intelligence (EI) is the guiding framework for better, cordial social relations and personal emotional management.

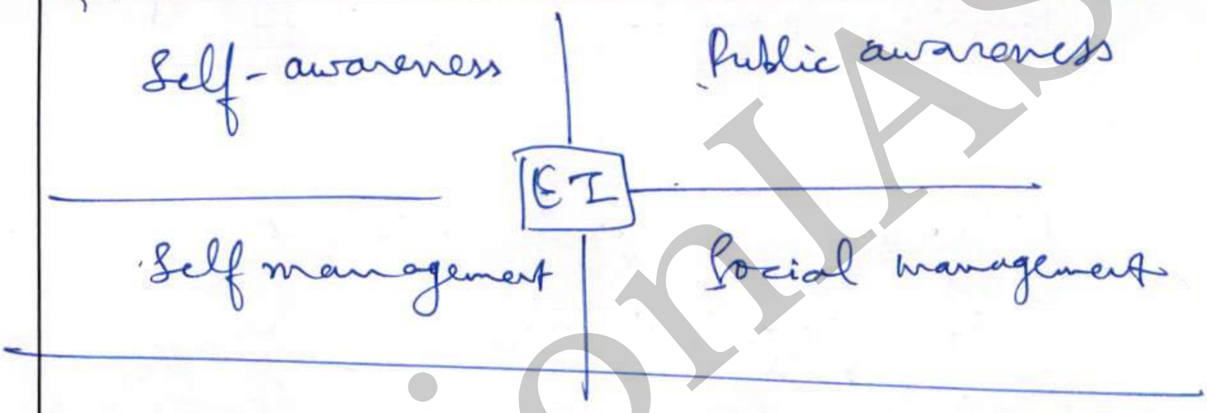

EI influence ethical decision making in allocation of scarce resources:

1. Promotes inclusivity
   ↳ welfare of the weak
2. Judicious allocation
   ↳ balances plenty with few
3. ~~Conflt~~ Conflict resolution
   ↳ over resource management

VisionIAS

4. Public confidence

5. Brings objectivity & transparency

6. Socially acceptable decisions

7. Balances sustainability with development priorities.

8. Following Maslow's law of hierarchy

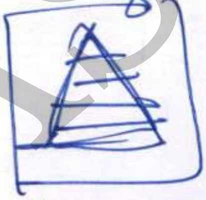

9. Principle of 'Antyodaya se Sarvodaya' [Upliftment of last for upliftment of all]

10. Gandhi's Talisman guides moral decision-making

11. ~~Serv~~ Public service delivery

12. Constitutional commitments (welfare state)

EI based decision-making helps decisions, so, just, fair & reasonable allocation of resources.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

5. (a) विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Humanitarian organizations providing emergency aid in conflict zones are guided by principles of empathy, compassion, human rights commitment and distribution of wealth to most vulnerable.

Ethical challenges faced :

1. Priority of distribution
   ↳ preferences are tough.
2. Seek administrative support
   ↳ efficient delivery.
3. Ensure targeted beneficiaries are benefitted
4. Check dual usage & restrict further escalation of conflict.

VisionIAS

(Eg) Bill & Melinda Gates Foundation, Blue Helmets, White Helmets, 'Aid for Refugees' initiative, etc.

Principles guiding international humanitarian work:-

1. Respect for human rights.
2. 'Universal Declaration of Human Rights (UDHR) 1948.
3. Compassionate capitalism.
4. Solidarity & Support to innocent civilians.
5. Right to food & sustenance
6. Prevent atrocities on weaker sections.
7. Humanitarian grounds of social service.

"Instability anywhere is a threat to stability anywhere."

It becomes essential to bring/aid peace everywhere.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

5. (b) अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Persuasion is the soft tool of influence to ensure the given objective is achieved without coercion.

Persuasion is important to civil servants:

1. Compassionate dealings with public.
2. Policy consensus formulation
3. Importance of social mobilisation.
4 Bring about social reform
5. Instill public service attitude.
6. Draw behavioural change
(e) Swachh Bharat Mission (SBM)

VisionIAS

Key considerations to guide persuasion in governance:

1. Respect for others.
2. Equal grounds of negotiation
3. Compassionate & Ethical arguments
4. Appeal to humanitarian considerations.
5. Positive minded attitude
6. Human rights consideration
7. Constitutional commitments

Thus, persuasion can bring about mega changes in a gentle way.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

6. (a) विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ethical leadership is the correct & ideal way of leadership that focuses on ethical considerations & morality.

Role of ethical leadership in curbing corruption:

1. Promote transparency.
2. Uphold integrity & accountability
3. Judicious & Objective decision making
4. Strict punishment to the violator.
5. Demonising the act, not the person

VisionIAS

6. Instill public confidence.

7. Approachable & Accessible governance.

8. Grievance Redressal Mechanisms.

9. An honest & judicious allocation of resources

10. Public morality & image of impeccable honesty

11. Open & transparent functioning

12. ~~Accessible~~ Public scrutiny

13. Institutional audit mechanism

Thus, ethics-guided decisions bring social transformations & ensure good governance.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (b) स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Swami Dayanand Saraswati was a social reformer who called for social reform in colonial India, emphasizing on:

1. Modern education
2. Social equality
3. Caste divisions to be abrogated,
4. Access to opportunities
5. Spiritual guidelines to good life.
6. Public service
7. Honest living & Vedic teachings to be followed in life (Go back to Vedas)

VisionIAS

Arya Samaj & its members heartily follow his teachings.

Relevance in current social & ethical challenges:

1. Social disharmony
2. Intolerance
3. selfish attitudes
4. Profit motives
5. Shrugging social responsibility
6. Misguided youth
7. Radicalism & Terrorism

His teachings can show the way ahead in these turbulent times.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

7. मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

VisionIAS

(a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।

(b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?

(c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या ज़िम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

(a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.

(b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?

(c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

VisionIAS

The given case study highlights the mental agony of female workforce (employees) in a toxic work environment.

Financial obligations of supporting the family restrict such employees to come forward.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Stakeholders

Core
- Mariyam (victim)
- Karan (Empathic co-worker)
- XYZ Corp (Safe workplace)
- Co-workers & Senior management (making comments)

Periphery
- Women employees (general)
- Society
- Government

VisionIAS

(a) Ethical mapping from perspective of Karan:

1) Empathy towards co-worker
2. Professional standards
3. Toxic work culture of company

4. Constitutional principles (Duties) being called in question.

5. To support the weak.

6. Courage to file complaint

7. Business ethics & Corporate culture

8. Long-term, persistent problem.

9. Commerce without morality – (Gandhian Sin)

(b) Options available to Karan:

[1] To maintain status-quo & not file a complaint

Pros	Cons
1. Professional progress & promotional avenues will be available	1. Agony of Mariyam will continue
2. Save from colleagues' target	2. Crisis of Conscience
	3. Part of toxic work-culture

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

[2] To file POSH Complaint on behalf of Mariyam

Pros	Cons
1. Putting the issue in sunlight.	1. Professional backlash
2. Encourage other workers facing similar ordeal to come forward	2. Future growth might be stunted
3. Good ~~this~~ act with good intention	3. Mariyam might have to leave the job.

[3] To convince Mariyam to file internal complaint & talk to senior leadership

Pros	Cons
1. Institutional level solution to the issue	1. Might have to face Backlash
2. Bring transparency & professionalism in work culture	2. Professional growth might hit the glass ceiling.
3. Courage of Conviction.	3. Company environment & colleagues may become hostile.

हम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

Suggested option should be [Option [3]]
for following reasons:

1. Following the letter & spirit of law.
2. Empathic understanding of the problem
3. Reforms in toxic work culture.
4. Constitutional duty fulfilled.
5. long-term change in the work culture.

Guiding principle: "To see the wrong happening & not to act against it is the greatest form of cowardice."
— Mahatma Gandhi

(C) Responsibilities of XYZ Corp & other organizations in creating inclusive workplace environment:

1. Gender equality & safety.
2. Equal opportunities of professional growth
3. Business ethics
4. Gender-sensitive organization.
5. Core values of humanity
6. Commitment to Beijing Declaration.

Thus, an inclusive work place culture benefits organization, individual & society as a whole.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

8. जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(a) शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।

(b) जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?

(c) जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

(a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
(b) What option should Jay adopt and why?
(c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Given scenario presents a Catch-22 situation wherein actions of ~~an~~ a public service officer have to uphold the Constitutional principles of fairness and equality of opportunity (Art 16) in matters of public employment.

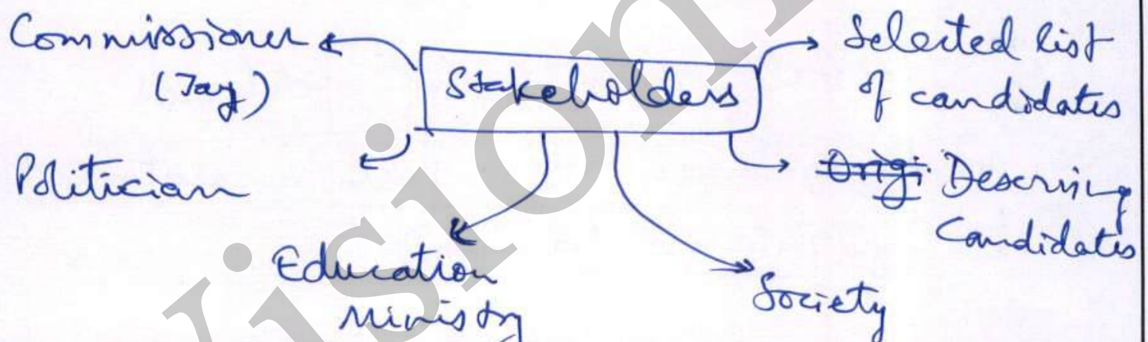

(a) Options available to Jay

[1] To approve the list of candidates

Pros	Cons
1. Personal benefit	1. Education quality will suffer
2. Political support	2. Personal reputation at risk
3. No repetition of ordeal	3 Cognitive dissonance
4. Projects will continue smoothly	

VisionIAS

कम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

[2] To withhold recruitment & take the matter to public/media

Pros	Cons
1. Educational standards highlighted	1. Professional backlash
2. Transparency & Personal reputation intact	2. Transfers & false allegations
3. Strong message of commitment to duty	3. Projects initiated will suffer

[3] To talk/discuss with politician and ~~re-ex~~ order fair recruitment process (again)

Pros	Cons
1. Pragmatic approach	1. Delayed recruitment
2. Convince the minister of long-term image	2. Political patronage ~~&~~ might ~~will~~ be revoked
3. Commitment to public service	3. Ongoing projects might suffer.
4. Personal reputation will not be harmed	4. Minister might not agree.

VisionIAS

(b) The appropriate option should be the Option [3] because :

1) Persuasion works wonders.
2. Long-term educational standards will be upheld.
3. Societal acceptability in recruitment process
4. Trust in process
5. Transparency & Accountability
6. Fulfilling (public) commitment to public service.
7. Constitutionally guided action
8. Utility of Emotional Intelligence.
9. Code of Conduct upheld - Impartiality.

My priority in this case would be

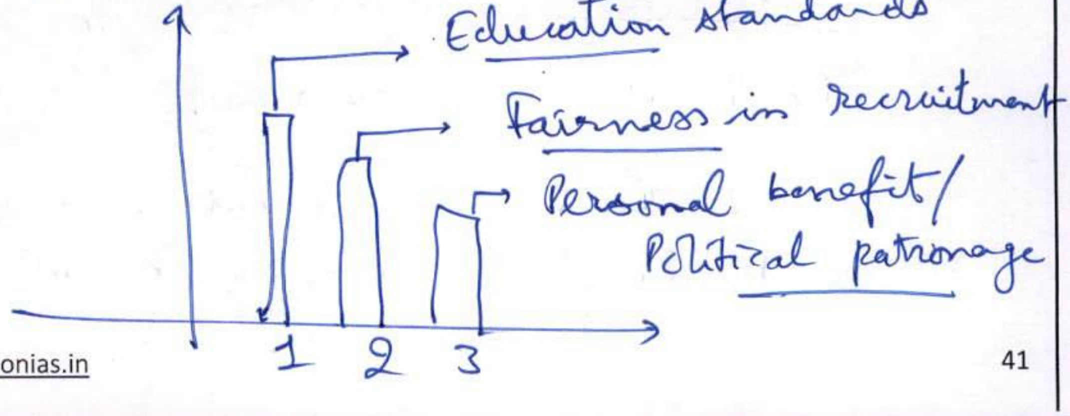

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

(c) Civil servants can be further protected when they uphold ethical standards:

1. Public Audit & Institutional audit mechanism.
2. Third-party verification of fair process of exam conduct.
3. Approachable senior officers - conducive work environment
4. Transparent decision-making
5. Limiting political interference in statutory recruitments.
6. Re-checking the veracity of documents forwarded.
7. Responsible decision-making & Accountability on account of political bureaucracy.

A fair, transparent recruitment process helps the society as a whole.

अभ्यर्थियों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

9. X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
(b) उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
(c) भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

(a) Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
(b) Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
(c) Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

The above case study reflects the dilemma of 'development vs environment'. Similar situation was was witnessed in # Aarey forest campaign.

Stakeholders

Core
- District Collector
- Politicians
- Environment
- Activists
- Commuters

Periphery
- Society
- Public Transport System
- Vehicular emission
- Environmental Standards

(a) Ethical dilemmas faced:

1. Development priority vs Environment Conservation
2. Loss of forest trees.
3. Public order & protests
4. Developmental objectives of infrastructure improvement.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

5. Short term loss vs Long-term sustainability

6. Disruption of local ecosystem.

7. Taking community along.

8. Vehicular decongestion & travel time

9. Political pressures & expediency of decision-making.

Guiding priority:

(b) Options available to me:

[1] To allow forest destruction for public metro development

Pros	Cons
1. Political patronage	1. Loss of vital ecosystem
2. Public transport system	2. Disregard for environmental standards
3. Long-term emission reduction	3. Biodiversity loss
4. Personal & Professional appraisal	

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

[2] To deny clearance to project & ~~stuff~~ keep forest land intact

Pros	Cons
1. Environmental preservation	1. Continued public transport woes
2. Activists happy, local populace support.	2. Political bosses might be upset
3. Personal duty towards preservation values	3. Potential transfer

[3] To order Environmental Impact Assessment (EIA) & Social Impact Assessment (SIA)

Pros	Cons
1. To ensure the real cost of project completion	1. Delay in project clearance
2. To check suitability of alternatives	2. Political backlash
3. Social impact to be considered	3. Indecisive attitude might be reflected
4. Public sentiment valued	

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

· Option [3] would be the most appropriate:

1. Ecosystem sustainability ensured
2. Constitutional commitment upheld
3. Public sentiment addressed
4. Long-term precedent setting.
5. Transparent & Empathetic decision making.
6. Environment becomes a deserving stakeholder in progress.

(c) Measures to balance developmental needs with environmental conservation

1. Conduct SIA before project clearance
2. Compensatory Afforestation
3. Local community participation
4. Diligent & Transparent policy making
5. Multi stakeholder consultation
6. Developmental needs should be prioritised for a developing country.

A collaborative & consultative mechanism will show the way out of this dilemma

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

10. डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहनीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
(b) डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(c) उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

(a) Identify the stakeholders in the above case study.
(b) Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
(c) Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The present case study highlights the dilemma of medical research with long-term trials and economic costs associated with it.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) Stakeholders present in this case — Stakes

1. Dr. Mehra — diligent work
2. Pharma company — long term investment
3. Drug manufacturers — addressing demands of market
4. Patients — Needing drugs at earliest
5. Society (Public Health) — Long-term side-effects
6. Government — Revised regulations

(b) Ethical mapping

1. Development of drug after long, enduring work.
2. Applicability of revised guidelines
3. Patient health & commitment towards ~~the~~ human life.
4. Long-term suitability of the drug — to ensure trust in the company

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. Personal & Professional reputation
6. Legal complications.
7. Additional commitments towards testing & trials.
8. Pressure from board members.
9. Public Health & safety.

Priority should be

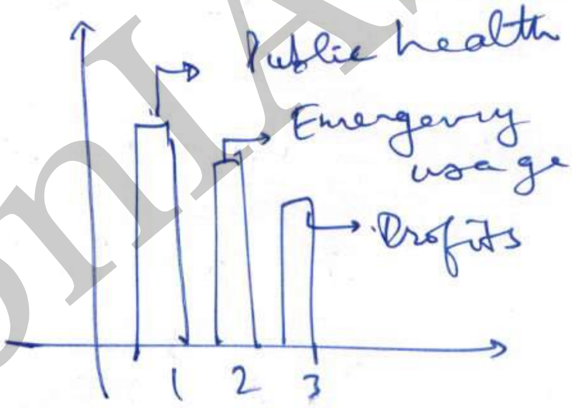

(c) Available options with Dr. Mehra

[1] To violate the requirements of official guidelines & release the drug

Pros	Cons
1. Emergency availability of drug	1. Long-term damage of ill effects
2. Board members's appreciation	2. Legal repercussions
3. Personal ~~compromise~~ satisfaction	3. Loss of license

VisionIAS

[2] To deny the release and conduct further trials

Pros	Cons
1. Statutory compliance	1. Delay in release of drug
2. Personal work intact & no harm to reputation	2. Professional pressure
3. Courage to withstand board's pressure.	3. Seems like running away from innovative approach

[3] Coordinate with hospitals for emergency usage of drug & seek partial & temporary approval

Pros	Cons
1. Emergency usage will save lives	1. Temporary release will complicate approval process
2. Commitment to public health upheld	2. Delayed trials & release
3. Reward for long enduring efforts	3. Loss of income/revenue to company

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

I would preferably choose Option [3] as :

1. Constitutional commitment to public safety upheld.
2. ~~Public~~ Precious life can be saved.
3. Out-of-the-box, innovative approach.
4. Long-term trials will be conducted
5. Saves complete loss of revenue.
6. Courage to take bold decision
7. Collaborative approach.

Thus, our out-of-the-box solution will help address the much-needed requirement to safe precious life while following statutory provisions.

VisionIAS

11. आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्त्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रकों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

VisionIAS

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.
(b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
(c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

The classic dilemma of superiors stealing claim / credit for others work has been shown here. It demoralises the colleagues & juniors while portraying rigid and inflexible, uncollaborative work culture.

Stakeholders

- Under Secretary (I)
- Senior Officer
- Colleagues
- City & its preservation
- Chief Secretary
- Society

(a) Ethical issues involved:

1. Heritage restoration & conservation (DPSP)
2. Personal commitment to duty.
3. Demoralising work culture.
4. Indifferent attitude about public service
5. Renovation of public transport & green spaces — funds & commitments
6. Green environmental standards
7. Professional toxicity
8. Short term appreciation vs long term project association

(b) The above-mentioned work-culture affect workplace morale & productivity:

1. Disincentivises hard work & dedication
2. Demoralises junior officers.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

3. Indifferent attitude towards job commitment.

4. Public service delivery hampered

5. Unwilling to work.

6. Selfish & Competitive spirit prevails

7. Fosters egoism & decreases collaboration

8. Code of conduct & personal morality suffers.

(c) Options available to me:

1. To confront the Senior Officer in front of Chief Secretary

2. To hold private discussion with senior officer

3. ~~St~~ Seek intervention by Chief Secretary

4. Try to convince superior about benefits of the project.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

5. Attempt collaboration from colleagues

6. Portray long-term sustainable benefits of the project.

7. Lure colleagues through giving them proportionate credit & value of being attached to such a project.

My priority

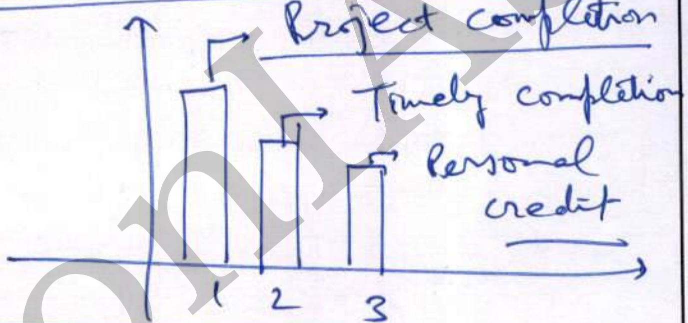

I'd like to address the situation by:

1. Holding frank discussion with senior officer directly.
2. Seek his support for the project and give due credit to his guidance + Benefit of attaching his name to project
3. Seek collaboration from colleagues
4. Outside support & CSR contributions.

Thus, a collaborative effort will make the project a success.

www.visionias.in

VisionIAS

12. अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

(a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.

(b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why?(Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The given case study highlights the nexus of politicians, corporate and ~~busines~~ bureaucracy committing the Gandhian sin of "Politics without Principles."

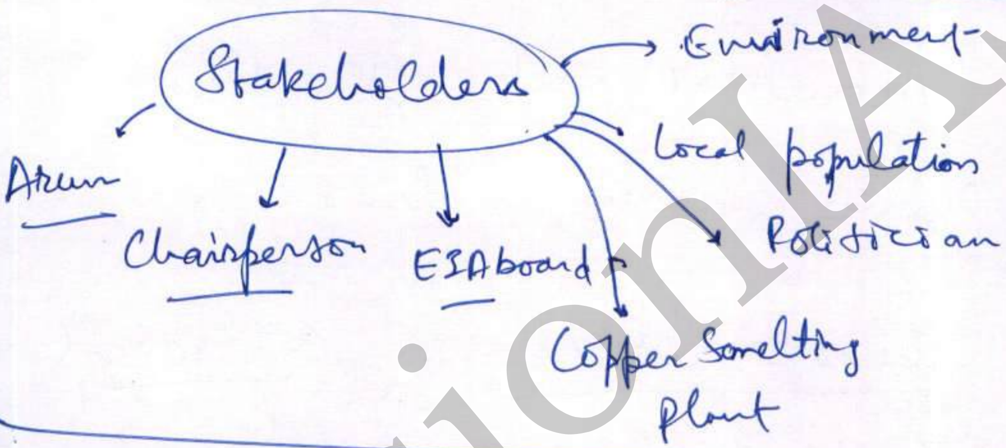

ⓐ Ethical issues that may arise from nexus between politicians business interests & bureaucracy:

1. Loss of integrity for short term benefit.
2. Crisis of Conscience
3. Loss of public faith
4. Against professional morality
5. Breaching the Triple Bottom Line of Business

VisionIAS

6. Bureaucratic code of conduct breached — Impartiality

7. Constitutional separation of duties & powers neglected.

8. Long-term damage to environment & public health.

9. Personal morality sacrificed

10. Monetary exchange vilifies public service values

11. Ethical breach of Categorical Imperative.

(b) Options available to Arun

[I] To go ahead with present EIA & follow the status quo.

Pros	Cons
1. No ~~strict~~ hard choices	1. Cognitive dissonance
2. Following the present conditions - saves moral questioning	2. Professional reputation at stake
3. Benefit to Copper Smelters.	3. Legal repercussions
	4. Public unrest possible.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

[2] To release the evidence in media and go ~~abou~~ public about violations

Pros	Cons
1. Portray a strong image of transparency	1. Personal & Professional backlash
2. Enquiry into the ~~g~~ corrupt nexus	2. False cases might be filed.
3. Refresh EIA	3. Loss of communication with superior
4. Ecosystem sustainability	4. Political pawn

[3] To order fresh EIA, consult superior & check veracity of given evidences.

Pros	Cons
1. Internal solution to the problem within department.	1. Delay in project clearance
2. Bringing corruption to light	2. Might face disagreements with superior
3. Raising the bar of transparency & accountability.	3. Political pressures and threats

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Most preferred option should be Option [3] because :

1. Upholds professional integrity
2. Constitutional commitment to environmental conservation.
3. Long term precedent setting.
4. Freeing department of nexus.
5. Shining sunlight on such cases of administrative malpractices.
6. Public service commitment.
7. Foster integrity & transparency in work culture.
8. Making environment a sincere stakeholder in the process of development.

Conservation of environment & ecosystem becomes a focal point for sustainable development.

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

WW
Sn
CM
RS
PP
PC
KC

VisionIAS